अनुक्रमणिका

१ चौवीसी (१)

कृतिनाम	गाथा	आदि पद	पृष्ठ
१ ऋषभ जिन स्तवन	३	देख्यौ रे ऋषभ जिणंद	१
२ अजित जिन स्तवन	३	मेरो लीन भयौ मन जिन सेती	१
३ सभव जिन स्तवन	३	वहुत दिनां थी मै साहिव	२
४ अभिनदन स्तवन	३	मेरो एक सदेशौ कहियो	३
५ सुमति जिन स्तवन	३	समरि समरि सुख लालची मनां	३
६ पद्मप्रभ स्तवन	३	पदमप्रभु सूरति त्रिभुवन सोहै	४
७ सुपार्श्व जिन स्तवन	३	दोइ कर जोरि अरज करुं अरिहंत	५
८ चन्द्रप्रभु स्तवन	२	देखेरी चन्द्रप्रभु मैं चंद समान	५
९ सुविधि जिन स्तवन	३	मेरा दिल लगा साई तेरा नाम सुं	६
१० शीतल जिन स्तवन	३	जव तै मूरति दृष्टि परी री	७
११ श्रेयास जिन स्तवन	३	मेरौ मोह्यो श्रेयास जिनवर	७
१२ वासुपूज्य स्तवन	३	वासुपूज्य स्वामी सेती	८
१३ विमल जिन स्तवन	३	प्राण धणी सुं प्रीति वणाई	९
१४ अनन्त जिन स्तवन	३	मैं तेरी प्रीति पिछाणी हो	९
१५ धर्म जिन स्तवन	३	अव मेरो मनरौ प्रभुजी हरलीनो	१०
१६ शाति जिन स्तवन	३	कैसे करि पहुँचाउं संदेश	११
१७ कुथु जिन स्तवन	३	मन मोहन प्रभु की मुरतिया	११
१८ अर जिन स्तवन	३	कहि कहि रे जिउरा प्रभुजी आगे	१२

१६ मल्लि जिन स्तवन	३ मल्लिनाथ निसनेही निरंजन	१३
२० मुनिसुव्रत स्तवन	३ ऐसो प्रभु सेवो रे मन ज्ञानी	१४
२१ नमि जिन स्तवन	३ नैना मे नमिनाथ निहार्यो	१४
२२ नेमि जिन स्तवन	३ वलिहारी हुं तेरे नाम की	१५
२३ पार्श्व जिन स्तवन	३ भोर भयो उठ भज रे पास	१६
२४ महावीर जिन स्तवन	३ साहिव मोरा हो अव तो महिरकरो	१६
२५ कलश	३ जिनवर चउवीसे सुखदाई	१७

(स० १७३५ लि०)

चौवीसी (२)

२६ आदिनाथ गीतम्	३ रे जीउ मोह मिथ्यात मइं	१६
२७ अजितनाथ गीतम्	३ स्वामि अजित जिन सेवइ न क्युं प्राणी	१६
२८ संभव जिन गीतम्	३ अव मोहि प्रभु अपणौ पद दीजै	२०
२६ अभिनंदन गीतम्	३ मेरउ प्रभु सेवक कुं उपगारी	२१
३० सुमतिनाथ गीतम्	३ जीउ रे प्रभु चरण चितलाई	२१
३१ पद्मप्रभु गीतम्	३ हो जिनजी अव तु महिर करीजै	२२
३२ सुपार्श्व जिन गीतम्	३ कृपा करी सामि सुपास निवाजउ	२३
३३ चंद्रप्रभु गीतम्	३ चंद्रप्रभु अष्ट कर्म क्षयकारी	२३
३४ सुविधिनाथ गीतम्	३ नाथ तेरे चरण न छोड़	२४
३५ शीतलनाथ गीतम्	३ शीतल लोयणा हो जोवउ सी०	२४
३६ श्रेयासनाथ गीतम्	३ श्रेयांस जिनेसर मेरउ अतरजामी	२५
३७ वासुपूज्य गीतम्	३ हो जिनजी अव मेरइ वनि आई	२५

३८	विमलनाथ गीतम्	३ मेरु मन मोह्यु प्रभु की मूरतीया	२६
३९	अनतनाथ गीतम्	३ वाल्हा थारा मुखड़ा ऊपरि वारी	२६
४०	धर्मनाथ गीतम्	३ भजि भजि रे मन पनरम जिनद	२७
४१	शान्तिनाथ गीतम्	३ प्यारु पेम कु. मेरउ साहिव हे सिरताज	२७
४२	कुथुनाथ गीतम्	३ ज्ञानी विण किण आगइ कहियइ	२८
४३	अरनाथ गीतम्	३ अर जिन नायक सामि हमारउ	२९
४४	मल्लिनाथ गीतम्	३ मल्लि जिणंद सदा नमियै	२९
४५	मुनिसुव्रत गीतम	३ आज सफल दिन भयउ सखीरी	३०
४६	नमिनाथ गीतम्	३ नमि जिनवर नमीये चितलाई	३०
४७	नेमिनाथ तीतम्	३ नेमि जिन यादव कुं कुल तायु	३१
४८	पार्श्वनाथ गीतम्	३ मान तजि मेरे प्राणी, वेर २ कहुं वाणी	३२
४९	महावीर गीतम्	३ मइ जाण्यु नहीं, भव दुख अैसो रे होइ	३२
५०	कलश	३ जिनवर चउवीसे गाए	३३

(स० १७३८ फा० व० १ रचित)

३ विहरमान वीशी (१)

५१	सीमधर स्तवन	३ ७ पुंडरीकणी नगरी वखाणीयइ	३४
५२	युगमधर स्त०	६ हीयडुं मिलिवा रे प्रभुजी	३५
५३	वाहुजिन स्त०	८ रामति रमवा हुं गई	३७
५४	सुवाहु जिन स्तवन	६ चउथा रे विहरमाण विहरता रे	३९
५५	सुजात जिन स्तवन	८ आपणा सेवकनइ सुख दीजइ कि	४०
५६	स्वयंप्रभ स्तवन	७ हारेलाल छठा स्वयप्रभु स्वामि जी रे	४२
५७	ऋषभानन स्तवन	६ ऋषभानन जिन सातमउ गुण प्रभुजीरे	४४

५८ अनतवीर्य स्तवन	६ अनतवीरज आठमउ जिनराय	४४
५९ सूरप्रभ स्तवन	६ तू तउ सहु रसनउ जाण हो रसीया	४५
६० विशाल जिन स्तवन	६ सारद चंद वदन अमृत नउ	४७
६१ वज्रधर स्त०	६ श्री वज्रधर गुणरागी जो	४७
६२ चन्द्रानन स्तवन	६ चद्रानन स्वामी चंद्रथी अधिक०	४८
६३ चद्रबाहु स्तवन	५ श्रीचदबाहु तेरमा	४९
६४ भुजंग जिन स्तवन	६ गामागर पुरवर विहरता रे	५०
६५ ईश्वरप्रभ स्तवन	६ जगदानंद जिनंद	५१
६६ नेमिप्रभ स्तवन	६ नेमिप्रभु सुण वीनती	५१
६७ वीरसेन स्तवन	६ महीरो रे चतुर सुजाण	५२
६८ महाभद्र स्तवन	६ अढारमा साहिब हो, कीधी वात कहुं	५३
६९ देवयशा स्तवन	६ कता सुणि हो कहुँ इक वात	५४
७० अजितवीर्य स्तवन	६ अजितवीर जिन वीसमा रे	५५
७१ कलश	१० सारद तुझ सुपसाउलइ रे	५६

(सं० १७४५ द्वि० वै० सु० ३)

४ विहरमान वीशी (२)

७२ सीमधर स्तवन	७ सामि सीमंधर साभलउजी	५८
७३ युगमधर स्तवन	७ प्राण सनेही जुगमंधर स्वामी	५९
७४ बाहु जिन स्तवन	६ तू तउ सायर सुत रलियामणउ	६०
७५ सुबाहु जिन स्तवन	७ वालहेसर सभालीयउ	६२
७६ सुजात जिन स्त०	७ मनमोहन महिमानिलउ	६३
७७ स्वयंप्रभ स्तवन	७ माहरा मन नी वात	६४

७८ ऋषभानन स्तवन	७ ऋषभानन सुं प्रीतड़ी	६५
७९ अनंतवीर्य स्तवन	७ आज ऊमाही जीभड़ी	६६
८० सूरप्रभ स्तवन	७ आवउ मोरी सहियर सूरप्रभु०	६७
८१ विशाल स्तवन	७ आज लह्यउ मइं भेदो	६८
८२ वज्रधर स्तवन	६ अधिक विराजै वज्रधर साहिबा री	६८
८३ चंद्रानन स्तवन	७ श्रीचंद्रानन चतुर विचारियै	७०
८४ चद्रबाहु स्तवन	७ सुणि सुणि मोरा अतरजामी	७१
८५ भुजंग जिन स्त०	७ स्वामि भुजंग विनती एक सुणउ महाराज	७२
८६ ईश्वर प्रभ स्त०	७ इसर प्रभु अवधारियइ	७३
८७ नेम प्रभु स्तवन	७ माहरा मन नी वातड़ी रे	७४
८८ वीरसेन स्तवन	७ जउ कोई चाले हो इण दिसि आदमी	७६
८९ महाभद्र स्तवन	७ निशिभर सूता आज मइ जी	७६
९० देवयशा स्तवन	७ श्री देवयशा श्रवणे सुण्यो	७७
९१ अजितवीर्य स्त०	७ अजितवीरज अरिहत सु	८०
९२ कलश	६ वीहरमान वीसे जिन वदियं रे	८०
		(स० १७२७ चै० सु० ८)
९३ मातृका बावनी	५७ ओंकार अपार जगत आधार	८२
		(स० १७३८ फा० व० ८ गु०)
९४ दोहा बावनी	५३ ओम् अक्षर सार है (१७३० आषाढ सु० ९)	९४
९५ उपदेश छत्तीसी	३६ सकल अरूप जामै प्रभुता अनूप भूप	१००
		(स१७१३)
९६ दोधक छतीसी	३८ जिण दिन सज्जण वीछड्या	११७

९७ बारहमास रा दूहा १२ पीउ न चलो पदमिणि कहै १२१
९८ पनरह तिथि रा दूहा १५ पड़िवा पहिलै पक्खड़ै १२२

आदिनाथतीर्थ स्तवन—

९९ शत्रुंजय तीर्थ स्त० ९ शत्रुंजय यात्रा तणी मो मन लागी १२५
१०० विमलाचल आदि स्त० ७ श्री विमलाचल ऋषभ निहाल्या १२६
१०१ ,, ,, ९ श्री विमलाचल गुण निलउ रे १२७
१०२ शत्रुंजय आदिनाथ स्त० ११ श्रावक सहु कोई आगलि १२८
(चैत्री पूनम यात्रा स्त०)
१०३ ,, ,, १४ म्हारा साहिवा रे सोरठ देश रलियामणउरे १२९
(स० १७५८ फा० व० १२)
१०४ विमलाचल आदि स्त० १३ रात्रि दिवस सूता जागता १३१
१०५ ,, ,, १३ श्री विमलाचल मंडण ऋषभजी १३२
(स० १७४५ मौन एकादशी)
१०६ ,, ,, ९ जी हो आज मनोरथ माहरा १३३
१०७ ,, ,, ९ श्री विमलाचल गुण निलउ १३५
१०८ शत्रुंजय आदि स्त० ८ आज मइं गिरिराज भेट्यउ १३६
१०९ ,, ,, ९ वंदु रिषभजिणंद विमलाचल० १३७
११० ,, ,, ९ ऋषभजिणेसर अलवेसर जयउ १३८
१११ ,, ,, ७ विमलगिरि तीरथ भेटियइजी १३९
११२ विमलाचलआदिचौमुखस्त०७ खरतरवसही आदि जिणंद जुहारीयइ १४०

११३	शत्रुंजय आदि स्त०	३ प्रथमजिणेसर आदिनाथ	१४२
११४	,, अद्भुतनाथ स्त०	७ अद्भुतनाथ जुहारियइ रे	१४३
११५	,, स्तवन	७ सुणि शत्रुंजय ना सामि रे	१४४
११६	,, ,,	७ विमलाचल तीरथ वासीजी	१४५
११७	विमलाचल आदि स्त०	६ श्री विमलाचल शिखर विराजै	१४६
११८	शत्रुंजय आलोयणा स्त०	१६ सुण जिनवर शेत्र जाधणीजी	१४७
११९	सोवनगिरि आदि स्त०	७ प्रथम जिनेसर प्रणमियै रे	१४९
१२०	विमलाचल आदि स्त०	८ अम्मां मोरी साभल बात हे	१५०
१२१	आदिनाथ वृहस्त०	२८ सरसति सामिणि पाय नमुं रे	१५१

स० १७३८ कुमार राधणपुर

१२२	,, स्त०	७ ऋषभ जिन भावइ भेटियइ	१५६
१२३	,, ,,	८ आदि जिणेसर आज निहाल्या	१५७
१२४	,, ,,	५ आदि जिन जाऊ हुं वलिहारी	१५८
१२५	,, ,,	६ ऋषभ जिणेसर सामी	१५९
१२६	,, ,,	११ माहरा मननामान्या रेसाहिबा	१६०
१२७	,, ,,	२१ म्हेतो साहिवा रे चरणे आया	१६१
१२८	,, ,,	११ विमलाचल साहिब साभलउ	१६४
१२९	धुलेवा आदि स्त०	५ जिन तेरी छाय रही है	१६५
१३०	शत्रुंजय स्त०	७ अबला आखै सगला साखै	१६५
१३१	आदिनाथ सलोको	१५ प्रणमुं सरसति सुमति दातारो	१६६

(२) अजितनाथ

१३२	अजितनाथ स्तवन	११ अजित जिणेसरमाहरीरे लाल	१६८

१३३ तारगा-अजित स्त० ११ मनमा हुंस हुंती घणी रे १६६

(३) संभवनाथ

१३४ संभव जिन स्तवन ७ निशिदिन हो प्रभु निशिदिन ताहरउ ध्यान १७०

१३५ ,, ,, ११ सुखदायक संभव जिन सेवियइ १७१

सुमतिनाथ

१३६ सुमतिनाथ स्त० ११ अरज सुणउ जिन पाचमा १७२

चन्द्रप्रभ

१३७ चंद्रप्रभ स्त० ७ श्रीचंद्रप्रभ स्वामी शिवगामि अवधारि १७४

अनंतनाथ

१३८ अनन्त प्रभु स्त० ३ मैं तेरी प्रीत पिछानी हो प्रभु० १७५

शांतिनाथ

१३६ शान्तिनाथ स्त० ८ शाति जिनेसर वीनति १७५

१४० ,, ,, ७ मन रा मानीता साहिब वछित १७६

१४१ ,, ,, ११ सोलम सतीसर राया रे १७७

१४२ ,, ,, ६ समकित दायक सोलमा रे १७८

१४३ ,, ,, ७ पूरउ म्हारा मनड़ा नी आस रे १७६

१४४ ,, ,, ७ अचिरा नदन चदन सारिखउ १८०

१४५ ,, ,, ७ शाति जिणेसर साहिबा साभलउ हो १८१

१४६ ,, ,, ६ मोहन मूरति शाति जिणेसर १८२

१४७	,, ,,	४० गुण गरुअउ प्रभु सेवीयइजी	१८३
१४८	,, ,,	६ शांति जिणेसर राया हुं तो०	१८८

मल्लिनाथ

१४९	मल्लिनाथ स्तवन	७ मल्लि जिणेसर वाल्हा तुं उपगारी	१८८

नेमिनाथ

१५०	नेमिनाथ स्तवन	२१ नयण सलूणा हो साहिब नेमजी	१९०
१५१	,, ,,	७ श्री नेमीसर स्वामी	१९२
१५२	,, ,,	५ आज सफल अवतार	१९३
१५३	नेमिराजिमती ,,	७ ऊभी राजलदे राणी अरज करै छै	१९४
१५४	,, ,, ,,	९ पथीयड़ा कह रे सदेशड़ो	१९५
१५५	,, ,,	५ जब म्हारो साहिब तोरण आयो	१९६
१५६	,, ,,	१ कांई रीसाणा हो नेम नगीना	१९७
१५७	,, ,,	५ नाहलिया निसनेह कि पाछा किहा	१९८
१५८	नेमि राजिमती गीत	६ वीनवइ राजुल बाल वीनतडी अ०	१९९
१५९	नेमिनाथ लेख गीत	१९ स्वस्ति श्री जिन पय-प्रणमी करी	२००
१६०	नेमि राजिमती गीत	७ स्युं कीधउ इणि जादवइ	२०३
१६१	,, ,,	५ नेमि काइ फिरि चाल्या हो	२०४
१६२	,, ,,	६ राजुल विनवे हो राजि	२०५
१६३	,, ,,	८ राजुल कहे रागइ भरी	२०६
१६४	,, ,,	११ होजी रथ फेरि चल्या जादुराइ	२०७
१६५	,, बारमासा	१५ वैसाखा वन मोरिया	२००
१६६	,, ,,	१३ राणी राजुल इण परि वीनवे	२०९

१६७	,,	,,	१२ सावण मास घनाघन वास	२११
१६८	,,	,,	१५ कहिजो संदसो नेम नै	२१३
१६९	,,	,,	१६ सरसति सामिणी वीनवुं	२१५
१७० राजुल	,,	,,	२५ पीउ चाल्यो हे पदमणी	२१७

पार्श्वनाथ—

१७१ प्रभातवर्णन पार्श्व स्त०			३ जागो मेरेलालविशालतेरे लोयगा	२२२
१७२ पार्श्वनाथ स्तवन			७ अमल कमलदल लोयणा हो	२२३
१७३	,,	,,	५ माहरा मननी वातड़ी जी	२२४
१७४	,,	,,	५ मूरति मोहणगारी दिट्ठडां आवे दाय	२२५
१७५	,,	,,	७ मनना मानीता हो साहिव साभलउ	२३५
१७६	,,	,,	७ सखीरी भेट्या मइ जिनवर आजो	२२३
१७७	,,	,,	७ मनरा मान्या साहिब मोरा	२२७
१७८ पार्श्वनाथ स्त०			७ भावइ पूजउजी, दोहीलउ नरभव	२२८
१७९	,, (सखेसर)	स्त०	७ वे कर जोडी साहिवा अरज करूं छू	२२९
१८०	,,	,,	५ सहीयर टोली भांभर भोली	२३०
१८१	,,	,,	५ श्री पास जिणंद जुहोरीयइ	२३०
१८२	,,	,,	५ श्री पास कुमर खेलइ वसंत	२३१
१८३	,,	,,	३ मोरी वीनती एक अवधारउजी	२३१
१८४	,, (सखेश्वर)		७ सदा विराजै सामि संखेसरो रे	२३२
१८५	,,	,,	४ उछरंग सदा आज हुआ आणदा	२३३
१८६	,,	,,	७ वयण अम्हारोलाल हीयड़ै धरीजें	२३४
१८७	,,	,,	१० साहिवाजी सुगुणा सनेही पासजी	२३५

१८८	,,	,,	७ अंतरजामी साहिब मोरा	२३६
१८९	,,	,,	११ माहरी करणी सुगति हरणी	२३८
१९०	,,	,,	६ भयभंजण श्री भगवंत जी	२३९
१९१	,,	,,	८ पास जिणेसर वीनतीरे मनमोहना	२४०
१९२	,,	,,	७ सुंदर रूप अनूप मूरति सोहइ हो	२४१
१९३	,,	,,	६ था नइ वीनती करा छा राज	२४२
१९४	,,	,,	७ वामानदन वीनवुं रे	२४३
१९५	,,	,,	८ परम पुरुष प्रभु पूजीयइ रे लो	२४३
१९६	,,	,,	७ पास जिणेसर तु परमेसर	२४४
१९७	,,	,,	७ मुखडुं दीठुं हो ताहरूं पास जी	२४५
१९८	पार्श्वनाथ	स्तवन	७ म्हारा साहिवा सुण मोरी वीनती	२४६
१९९	,,	,,	७ मन ऊमाह्यउ माहरउ रे काइ	२४७
२००	,,	,,	५ भगवंत भजउ सगला भ्रम भाजइ	२४८
२०१	,,	,,	५ आज सफल दिन माहरउ	२४८
२०२	,,	,,	७ म्हारउ मनडउ मोह्यउ पासजी	२४९
२०३	,,	,,	५ सकल मंगल सुख संपदा रे	२५०
२०४	,,	,,	११ सुणि सोभागी साहिब रे लाल	२५१
२०५	,,	,,	७ सुगुण सनेही साहिब सांभलि	२५२
२०६	,,	,,	७ मनरा मानीता साहिब पास	२५३
२०७	,,	,,	८ परम सनेही पास	२५४
२०८	,,	,,	७आज सफल अवतार	२४५
२०९	,,	पंचासरा	७ पाटण पास पंचासरा	२५३
२१०	,,	,,	५ प्राण सनेही प्रीतमा	२५६

२११ ,, ,, ५ मोहन मूरति जोवता रे २५७
२१२ ,, सम्मेतशिषर ६ तुहि नमो नमो सम्मेतशिखरगिरिहि २५८
(स० १७४४ चै० सु० ४)
२१३ ,, वृहद्छदफलोदी ४० जपि जीह सरसति सुरराणी २५८
(पद्याक २० वा त्रु०)
२१४ ,, ,, ८ दरसण दीजौ आपणो हूं वारी २६३
२१५ ,, ,, ८ दरसण दीठौ राज रौ सामलिया २६४
२१६ ,, ,, ८ (त्रुटित) आज सफल दिन माहरो २६५
२१७ ,, (संखेश्वर) ८ सकल सुरासर सेवइ पाय २६६
२१८ पार्श्व (संखेश्वर) स्त० ५ अतजामी सुण अलवेसर २६७
२१९ ,, ,, १४ वाणारिसी नगरी भली २६७
२२० ,, ,, ७ सदा विराजे साम संखेसरै २६९
२२१ कापरहेडा पार्श्व वृद्ध-स्त० ११ वालेसर सुण वीनती हो
(सं० १७३५) २७०
२२२ ,, ,, ७ तें मन मोह्यो माहरोरे २७२
२२३ ,, ,, ७ मोरा लाल अंग सुरगी०
(१७२७) २७३
२२४ गौड़ी पार्श्व स्तवन ६ पिया सुदर मूरति गुणसरी २७४
२२५ ,, ,, ६ श्री गोडीचा पास जी २७५
२२६ ,, ,, ७ ते दिन गिणस्युं हुँ तो लेखइ २७६
२२७ ,, ,, ५ गुणनिधि गोडी पास जी २७७
२२८ ,, ,, ५ श्री गोडीचा पास हारे २७८

२२६ वाडीपुर (ढाल५)	,,	२५ साइ धण कहै करजोड़ि	२७१
२३० ,,	,,	७ मनमोहन मूरति जोवता	२८२
२३१ ,,	,,	७ आज नइ मंइ भेट्या हो	२८३
२३२ चिन्तामणि पार्श्व स्तवन		७ मन मोहयुं रे श्रीचिंतामणि	२८४
२३३ विजय ,,	,,	६ विजय चिंता०पास जुहारियइ	२८५
२३४ कलिकुंड	,,	१२ श्री कलिकुंड जुहारियइ	२८६
२३५ अजाहरा	,,	७ पो दसमी दिन जाया	२८७
२३६ पचासरा	,,	१३ परम तीरथ पचासरउ	२८८
२३७ चारूप	,,	७ श्री चारूपइ पास जी	२६०
२३८ भटेवा पार्श्व स्त०		७ मूरति प्रभुनी सोहइ	२६०
२३६ कसारी ”	”	६ कंसारी पार्श्व अरज सुणउ	२६१
२४० नारंगपुर ”	”	७ श्री नारंगपुर वर पास जी	२६२
२४१ ”	”	७ मूरति तेरी मोहनगारी	२६३
२४२ नवलखा पार्श्व	”	५ साहिबा वेकर जोड़ी वीनवूं	२६४
२४३ नींवाज ”	”	७ नयर नींबाजइ दीपतउ रे	२६४
२४४ अट्ठातर सो ”	”	७ श्री खंभाइत पास नमु सदा	२६५
२४५ दशभवगर्भितपार्श्वस्त०		५० पोतनपुर रलियामणुरे लाल	२६७
२४६ पार्श्वनाथ दोधक छत्तीसी		३६ पासचरण चितलाइ	३०२
२४७ पार्श्वनाथ बारहमास		१३ श्रावण पावस ऊलस्योसखी	३०६
२४८ पार्श्वनाथ बगवर नीसाणी		२८ सुखसंपतिदायकसुरनरनायक	३०६
महावीर—			
२४६ महावीर जिन स्तवन		६ त्रिभुवन रामा चौबीसम जिनचंद	३१५

२५०	" "	१६ सुणि जिनवर चउवीसमाजी	३१६

चतुर्विंशति जिन—

२५१	चतुर्विंशति जिन स्तवन	११ रिषभ अजित अभिवदीयइ	३१८
२५२	" वोधक नमस्कार	२५ श्री नाभेय नमुं सदा	३१६
२५३	चौवीस जिन स्तवन	१३ प्रथम जिणेसर रिषभनाथ	३२१
२५४	चौवीस जिन २० विहर० ४ शास्वत जिन स्तवन	१३ रिषभनाथ सीमधर स्वाम	३२४
२५५	चौवीस जिन स्तवन	७ पहिलउ प्रणमुं आदि जिणद	३२५
२५६	" "	२८ चउवीसेजिनवर ना पायनमुं	३२६
२५७	" स्तुति	४ जप रे तुं चउवीसे जिनराया	३२६
२५८	चौवीस जिन स्तवन	१३ पहिलो आदि जिणंद	३३०
२५६	श्री सीमधर स्त०	५ श्री सीमंधर साहिवा	३३२
२६०	" "	५ पूर्व विदेह पुखलावती	३३२
२६१	" "	१५ चादलियासंदेशोजिनवरने कहै रे	३३३
२६२	" "	११ श्री सीमंधर सांभलउ	३३४
२६३	" "	१३ सामि सीमंधर मोरइमनवस्यउजी	३३५
२६४	" "	१३ आज मनोरथ फलिया	३३७
२६५	विहरमान नाम स्त०	६ सीमंधर पहिलउ जिनराय	३३८
२६६	" जिन स्त०	१३ विहरमान प्रणमुं मन रंगइ	३३६
२६७	जिन स्तवन	४ भजि भजि रे मन तुं दीन दयाल	३४०
२६८	सिंधीभाषा मय गीत	५ तूं मैड़ा पीउ साजना वे	३४१

पद संग्रह—

२६६	विमलाचल ऋषभ०	३ लागइ २ हो विमलाचल नीकउ	३४२

२७०	" "	३ सखी री विमलाचल जाणुं जइयइ ३४२
२७१	नेमि राजुल०	३ नेमि काहेकुं दुख दीनउ हो ३४३
२७२	" "	३ पियाजी आइ मिलउ एक वेर ३४३
२७३	" "	३ पावस विरहिणी न सुहाइ ३४३
२७४	राजुल विरह	३ सखी री चदन दूर निवार ३४४
२७५	" "	३ मोपे कठिन वियोग की ३४४
२७६	"	३ सखी री घोर घटा घहराइ ३४५
२७७	"	३ अब मइ नाथ कबइ जउ पाउं ३४५
२७८	"	३ काहु सु प्रीति न कीजइ ३४५
२७९	महावीर गौतम	३ हो वीर, काहे छेह दिखायउ ३४६
२८०	जिन दर्शन	३ सखी री, आज सफल जमवारउ ३४६
२८१	जिन पूजा	३ जिनवर पूजउ मेरी माई ३४७
२८२	प्रभु भक्ति	३ प्रभुपद पंकज पाय के ३४७
२८३	"	३ भविक मन कमल विबोध दिणंदा ३४७
२८४	प्रभु शरण	३ प्राण पियाके चरण शरण गहि ३४८
२८५	प्रभु वीनति	३ जिनवर अव मोहि तारउ ३४८
२८६	जिन वीनति	३ जिणदराय हमकु तारउ तारउ ३४९
२८७	"	३ कृपानिधि अव मुझ महिर करीजे ३४९
२८८	"	३ जगत प्रभु जगतनकउ उपगारी ३४९
२८९	प्रभु वीनति	४ अवतउ अपणइ वास वसउ ३५०
२९०	जिनेन्द्र प्रीति प्रेरणा	३ मन रे प्रीति जिणंद सं कीजे ३५०
२९१	निरंजन खोज	४ खोजे कहा निरंजण वौरे ३५१
२९२	प्रवोध	३ ऊठि कहा सोइ रह्यउ ३५१

२६३ " ३ जोवन ज्यु नदी नीरजात है अयाण रे ३५२

चार मंगल—

२६४ प्रथम मंगल गीत ५ प्रथम मगल मन ध्याइये ३५३
२६५ द्वितीय ५ बीजउ मंगल मनि धरउ ३५३
२६६ तृतीय " " ५ हिवइ तीजउ मंगल गाईयइ ३५४
२६७ चतुर्थ " " ५ चउथउ मगल नित नमुं ३५५
२६८ ऋषि बत्तीसी ३२ अष्टापद श्री आदि जिणंद ३५५
२६६ गौतम पंच परमेष्टि २४
जिन छप्पय ६ सुखकरण दुखहरण ३५६
३०० वीश स्थानक स्त० ११ श्री वीर जिणेसर भाषइ ३६१
३०१ मौन एकादशी स्त० २४ सयल जिणेसर पायनमी ३६३
३०२ गौतम स्वामी पचीसी २५ धण पुरगुव्वर गाम ३६८
३०३ गौतम स्वामी छंद १ नामे नवनिधि होय ३७५
३०४ " स्वाध्याय १५ मन मंछित कमला आइ मिलै ३७५
३०५ सुधर्म स्वाध्याय ७ वीर तणउ गणधर पटधारी ३७७
३०६ ग्यारह गणधर " ८ गणधर ग्यारै गाइयै ३७८
३०७ " पद ४ प्रात समैं उठी प्रणमीयै ३७६
३०८ श्रुत केवली पद ५ श्रुत केवली नमुं प्रहसमै ३७६
३०६ स्थूलिभद्र स्वाध्याय ६ पिउडा आवो हो मन्दिर आपणै ३८०
३१० " वारामासा १६ श्रावण आयउ वालहा ३८१
३११ " " १४ प्रथम प्रणमु मात सरसत ३८२
३१२ " चउमासा ५ श्रावण आयउ साहिबा रे ३८६

३१३	" गीत	११ भलै ऊगउ दिवस प्रमाण	३९७
३१४	दादाजी(जैतारण)गीत	७ मनडो उमाह्यो दादा माहरउ	३९३
३१५	जिनकुशलसूरि गीत	६ सद्गुरु सुणि अरदास हो [दोनो स० १७३५ लि०]	३९४
३१६	श्री गणेसजी रो छंद	२६ संपति पूरै सेवकां	३९५
३१७	देवीजी री स्तुति	११ पारंभ करी परमेसरी	३९८
३१८	वर्षा वर्णनादि कवित	५ प्रथम तपइ परभात, मेह के कारण	४०१
	सिंह के कोन सगा०	काहे कूं मित्त ज्यू प्रीति० गोरउ सो गात०	
	शृंगारो परि सवैया०	जा के आछे तीछै०	
३१९	दुर्जनो परि०	२ नयन कुं देखी० जात छुटे भयप्राण०	४०२
३२०	सगासज्जनोपरिकवित	१ सरवर जल तरू०	४०३
३२१	पनरहतिथ रा सवैया	१५ आज चले मन मोहन कत	४०३
३२२	राग करण समय कवित्त	२ रसिक हींडोल राग	४०७
३२३	प्रेम पत्री रा दूहा	१०६ स्वस्ति श्री प्रभु प्रणमीयें (दो० १०२-५ त्रु०)	४०८
३२४	फुटकर दोहे	१० चिंत चिंते काइ वात	४१८
३२५	प्रहेलिकाएं (६)	६ नर एको निकलंक	४१६
३२६	वरसात रा दूहा	२० मनड़ो आज उमाहियौ	४२२
३२७	फुटकर कवित्त	१ पचम प्रवीण वार	४२४
३२८	सतयुग के साथ गये	१ रयणि खाण नहीं काय,	४२४
३२९	सुदरी स्त्री	१ सुंदर वेस लवेस अनोपम	४२५
३३०	राधाकृष्ण	१ उमटी घन घोर घटा	४२५

३३१ यौवन	१ जोवन मे राग रंग	३२५
३३२ रागिणी स्त्री	१ लोयण भरि निरखंत	४२६
३३३ उरसीउ	२ उरसीउ आणि हे सखी	४२६
३३४ मानिनी वर्णन	३ महलाँ मालिया	४२६
३३५ नंद बहुत्तरी दो०	७२ सवे नयर सिरि सेहरो	४२६
	(स०१७१४ काती वील्हावास)	
३३६ चौवोली कथा	२१ सभा पूरि विक्रम्म	४३६
३३७ कलियुग आख्यान	सतयुग मा वल राजा थयो	४४२

सज्झाय संग्रह

३३८ रहनेमि राजिमती गीत	६ नेमभणी चाली वदिवा हो लाल	४४७
३३९ ढंढणकुमार सज्झाय	६ ढंढण रिपि ने वंदणा हुं वारी	४४८
३४० चिलाती पुत्र ,,	३० साधु चिलातीपुत्र गाइंयइ	४४६
३४१ प्रसन्नचंद्र राजर्षि ,,	७ जी हो राजगृह पुर एकदा जी	४५२
३४२ हरिकेशी मुनि ,,	१६ हरिकेशी मुनि वंदिये	४५३
३४३ मेतारज मुनि ,,	६ श्रेणिक राजातणो रे जमाई	४५५
३४४ काकंदी धन्नर्षि ,,	६ वीर तणी सुणि देसणा	४५६
३४५ गजसुकमाल ,,	८ गजसुकमाल वइरागीयउ	४५७
३४६ अरहन्नक मुनि ,,	१५ विरहण वेला हो रिषिजी पागर्या	४५८
३४७ नंदिषेण मुनि ,,	११ विरहण वेला पागुर्या रे हा	४५६
३४८ सती सीता ,,	६ जलजलती मिलती घणी रे लाल	४६१
३४९ ,, ,,	६ धीज करे पावक नउ जानकी	४६२
३५० सुभद्रा सती ,,	१६ सील सलूणी सुभद्रा सती रे	४६३

३५१	नवग्रहगर्भितमदोदरीवाक्य	१४ जिणि आदी तम्ह सीखड़ीजी	४६४
३५२	पच इन्द्रियां री सझाय	६ काम अंध गजराज	४६६
३५३	परनारी त्याग गीत	११ सीख सुणो प्रीउ माहरी रे	४६७
३५४	माया स्वाध्याय	६ माया धूतारि मोह्या मानवी रे	४६८
३५५	जीव प्रबोध स०	५ सुणि रे चचल जीवडा	४६९
३५६	चतुर्विध धर्म स०	६ जीवड़ा कीजे रे धरम सुंप्रीतड़ी	४७०
३५७	पच प्रमाद स०	७ पंच प्रमाद निवारउ प्राणीवेगलारे	४७०
३५८	आत्म प्रबोध स०	१० सुणि प्राणी रे तुझ कहुंइक बात	४७१
३५९	जीव काया स०	८ काया कामिणि वीनवे जी	४७२
३६०	नारी प्रीति स०	१४ मन भोला नारि न राचिये रे	४७३
३६१	काया जीव स०	१२ काया सलूणी वीनवे	४७५
३६२	बारहमासग० जीवप्रबोध	१३ चेत रे तुं चेत प्राणी म पडिमाया०	४७६
३६३	पनरह तिथि स०	१६ पडिवा दुर्गति वाटडी रे	४७८
३६४	तेर काठिया स०	१५ सांभलि प्राणी सुगुण सनेह	४७९
३६५	सामायकबत्तीसदोषस०	६ सामायक नो दोष बत्तीस	४८१
३६६	तेतीसगुरुआसातनास०	१६ गुरू आसातन जाणिवी	४८२
३६७	सम्यक्त्व स्वाध्याय	११ सांभलि तु प्राणी हो मिथ्यामति०	४८४
३६८	सम्यक्त्व सत्तरी	२+७० एको अरिहंत देवसाभलिरेतु पणीया	४८५

(स० १७३६ श्री० सु० ७ पाटण)

३६९	सुगुरु पचीसी...	२५ सुगुरु पीछाणउ इण आचरणे	४९३
३७०	कुगुरु पचीसी	२५ श्री जिन वाणी हीयड़े धरे	४९५
३७१	नववाड़ सज्झाय	९८ श्री नेमीसर चरण युग	४९८

(स० १७२९)

३७२ मेघकुमार चौढालीया ४३ श्रीजिनवर नारे चरण नमी करी ५०८
३७३ पचम आरा सज्झाय २४ वीर कहै गौतम सुणो ५१३
३७४ श्री राजीमती ,, ५ काइ रीसाणा हो नेम नगीना ५१५
३७५ गजसुकमाल ,, १४ वासुदेव हेव उच्छव करें ५१६
३७६ परस्त्री वर्ज्जन ,, ११ सीख सुणो पिउ माहरी रे ५१८
३७७ छप्पय २ हरखे किस्युं गमार ५१९
३७८ श्रावक करणी २२ श्रावक ऊठे तु परभाति ५२०
कविवर जिनहर्ष गीतम् १२ सरसति चरण नमी करी ५२३
,, ,, ११ श्री जिनहर्ष मुनीश्वर वंदीइ ५२४
देशी सूची ५२५
३७९ नेमि राजुल वारहमासा १२